वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-257 सागवाड़ा,शनिवार,4 जून, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

श्री कालिकेश्वर महादेव मंदिर का शिला पूजन, यज्ञ में दी आहुतियां

लोहारिया तालाब की पाल पर स्थित श्री पगले जी महादेव मंदिर का नवीन नामकरण हुआ

सागवाड़ा। शहर के लोहारिया तालाब की पाल पर स्थित श्री पगले जी महादेव मंदिर का नवीन नामकरण श्री कालिकेश्वर महादेव मंदिर के शिला पूजन का कार्यक्रम यज्ञ आहुतियों के साथ मुख्य यजमान सरिता देवीलाल जवाहरलाल पंचाल एवं सहयोगी यजमानों की उपस्थिति में सम्पन्न। श्री देवालय जीर्णोद्धार एवं निर्माण समिति के तत्वावधान में संत उदयरामजी महाराज के सानिध्य और पंडित निकुंज पुरोहित के मुख्य आथित्य एवं आचार्य विनोद त्रिवेदी के वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान के साथ कार्यक्रम हुआ। सहयोगी यजमान गोपालकृष्ण भावसार, नानालाल दर्जी, हेमंत भावसार, बदामीलाल अहारी, नाथूलाल यादव, रामचंद्र जोशी, वालजी पाटीदार और नरेंद्र पंचाल ने यज्ञ में आहुतियां दी?। समिति के प्रवक्ता श्याम भट्ट ने बताया कि उपस्थित भक्तों के रूप में समिति के

अध्यक्ष जयंतीलाल मोची, मुख्य संरक्षक नानूराम कलाल,पालिका अध्यक्ष नरेंद्र खोड़निया, सागवाड़ा प्रधान ईश्वरलाल सरपोटा,पूर्व पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण सोनी, समिति के उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायन सुथार,नीरज शर्मा, श्री भागवत सत्संग समिति के अध्यक्ष मुकेश भोई , समिति के सचिव दिनेश शर्मा, भुपेश पंवार, संरक्षक मोहनलाल भट्ट,कुबेरलाल जोशी, जीवनलाल पाटीदार,समिति के कोषाध्यक्ष दिलीप कोठारी, विजय पंचाल, समाजसेवी अनिल वाडेल, स्थानीय पार्षद इंद्रजीत मकवणा, मनोज अहारी, नारायण अहारी, भगवती अहारी,नेता प्रतिपक्ष पालिका हरीश सोमपुरा, समिति के नीरज पंचाल, विपुल पंचाल, सुथार समाज अध्यक्ष धर्मेंद्र सुथार,देवशंकर सुथार, एकलव्य भील सेवा संस्थान 12 फलो के अध्यक्ष मोहनलाल भगोरा,शंकरलाल सौलंकी, बदामीलाल भगोरा, उत्तम गोपालकृष्ण गौशाला के अध्यक्ष ललित पंचाल, जैन समाज से कीर्ति भाई शाह, केसरीमल शाह, महेश नोगमिया, विमलेश पाटीदार, भरत पाटीदार, पूर्व पार्षद आशा पाटीदार ,मातृशक्ति से कमलेश्वरी गुप्ता, शिवराम पाटीदार,भारत विकास परिषद अध्यक्ष नारायणलाल बनोत, मानस मंडल अध्यक्ष किशोर भावसार,जितेंद्र सुथार,समाजसेवी अशोक पटेल, हंसमुख पटेल,उत्तम पंचाल, भगवतीलाल पंचाल, जयदेव शुक्ला, महेश पंड्या, श्री गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष हरीश भट्ट, अर्पित जोशी, नरेंद्र जोशी, निखिल मौजूद रहे। संचालन भुपेश पंवार ने किया और और आभार सचिव दिनेश शर्मा ने माना।

किशोरी ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कारणों का नहीं हुआ, पुलिस कर रही मामले की जांच

डूंगरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के बिलडी गांव में एक किशोरी ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आंगन में सोये पिता सुबह जब उठे तो घर के अंदर बेटी का शव लटका हुआ देखने पर होश उड़ गए। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौपा। वही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डूंगरपुर जिले के कोतवाली थाने के थानाधिकारी दिलीप दान चारण ने बताया की बिलडी गाँव निवासी हाजा पिता खातु बरंडा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में हाजा ने बताया की कल रात को उसने अपनी माँ, पत्नी व 15 वर्षीय बेटी सोनिया बरंडा के साथ खाना खाया था। इसके बाद रात करीब 10 बजे हाजा, उसकी पत्नी व माँ घर के बाहर आंगन में सो गए थे। वही उसकी बेटी सोनिया घर के अंदर सोने चली गई थी। रिपोर्ट में हाजा ने बताया की सुबह 6 बजे के करीब उसकी आँख खुली। इसके बाद हाजा घर के अन्दर जाने के लिए दरवाजा खोला तो दरवाजा खुला नहीं जिस पर उसने धक्का मारकर दरवाजा खोला। जैसे ही हाजा ने दरवाजा खोला तो उसकी बेटी सोनिया फांसी के फंदे से लटकी हुई थी। बेटी को फंदे से लटका देख पिता हाजा के होश उड़ गए और हाजा चिल्लाया। जिस पर परिजन व आसपास के लोग दौड़ कर घर में आये और शव को फंदे से नीचे उतारा। वही परिजनों ने मामले की सुचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। सुचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों ने मामले की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव को मौके से उठ्वाकार जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। जहा पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने उपचार के दौरान तोड़ा दम, परिजन आर्थिक सहायता की मांग पर अड़े रहे

सीमलवाड़ा। सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत पर मृतक के परिजनों ने हंगामा खड़ा कर पिकअप मालिक को बुलाने एवं आर्थिक सहायता की मांग पर अड़े रहे। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम को सीमलवाड़ा मोर्चरी में बाइक चालक युवक का शव रखवाया था। दूसरे दिन शनिवार सुबह मृतक के परिजन मोर्चरी के बाहर एकत्रित होकर बाइक को टक्कर मारने वाली पिकअप मालिक को बुलाने पर की मांग कर हंगामा किया। थानाधिकारी रतन लाल , एएसआई गोविंद सिंह, अशोक कलाल, विद्याशंकर सहित पुलिस अधिकारियों ने मृतक के परिजनों से काफी समझाइश की लेकिन परिजन आर्थिक सहायता दिलाने एवं वाहन मालिक को बुलाने की मांग करते रहे। शाम को मृतक के परिजनों का विरोध का असर पुलिस पर होता नहीं देख परिजनों ने वाहन मालिक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। जिस पर पुलिस ने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने आश्वस्त किया। जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम हो सका। जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

धंबोला थाना क्षेत्र के गैलन पुलिया के पास 31 मई की शाम साढ़े छः बजे एक पिक अप ने बाइक को टक्कर मारी थी हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका उपचार गुजरात के मोडासा में एक अस्पताल में चल रहा था जिसकी शुक्रवार की शाम को मौत हो गई है। बंबोला सीआई भैया लाल आंजना ने बताया कि 31 मई की शाम साढ़े छः बजे गैलन पुलिया के पास एक पिकअप ने बाइक को टक्कर मारी थी हादसे में राजपुर निवासी विरमल पुत्र कालू ननोमा उम्र 25 साल गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे सीमलवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था लेकिन गंभीर अवस्था में उसे रेफर किया गया था। परिजन उसे गुजरात के एक अस्पताल में लेकर गए थे जिसकी उपचार के दौरान शुक्रवार शाम को मौत हो गई है । वही शव को सीमलवाड़ा मोर्चरी में रखवाया था । राजपुर निवासी कांतिलाल पुत्र गौतम ननोमा ने पुलिस को रिपोर्ट सौंपी है जिसमें बताया कि उसका चचेरा भाई विरमल जो की बाइक लेकर 31 मई को एक बारात में गया था शाम को लौटते समय गैलन पुलिया के पास उसकी बाइक को एक पिकअप ने टक्कर मार दी थी, हादसे में विरमल गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे सीमलवाड़ा अस्पताल लाया गया था, लेकिन गंभीर अवस्था में उसे गुजरात के मोडासा में एक अस्पताल में भर्ती कराया था जहां उपचार के दौरान शुक्रवार शाम को उसकी मौत हो गई है। वहीं सूचना पर पीठ चौकी प्रभारी हेड कांस्टेबल विद्याशंकर अस्पताल पहुंचे एवं शव को सीमलवाड़ा मोर्चरी में रखवाया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बुजुर्ग ने घर में घास में आग लगाकर किया आत्मदाह, मानसिक रूप से था बीमार, पुलिस कर रही मामले की जांच

आसपुर। दोवडा थाना क्षेत्र के रघुनाथपुरा गाँव में एक बुजुर्ग ने अपने केलूपोश मकान में रखी घास में आग लगाकर खुद आत्मदाह कर लिया। आग से केलूपोश मकान भी पूरा जल गया। मृतक बुजुर्ग मानसिक रूप से बीमार था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। वही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया की रघुनाथ पूरा निवासी लोकेश पिता रूप शंकर ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में लोकेश ने बताया की उसके अलावा शिवराम व रणजीत दो भाई है।

तीनो भाई अलग-अलग मकान बनाकर रहते है। वही उनके पिता 70 वर्षीय रूपशंकर अलग घर में रहते है। लोकेश ने बताया की उसके पिता रूप शंकर लम्बे समय से मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। बीती रात करीब ढाई बजे के आसपास उसका भाई शिवराम लघु शंका जाने के लिए उठा था। इस दौरान उसने देखा की पिता रूपशंकर के घर से आग की लपटे उठ रही है। जिस पर शिवराम चिल्लाया और दुसरे भाइयो को उठाया। वही सभी भाई मिलकर मौके पर पहुंचे तो देखा की घर के अन्दर घास रखी होने से भीषण आग लगी हुई थी वही उनके पिता आग में जल रहे थे। तीनो भाइयो व आसपास के लोगो ने आग बुझाने के प्रयास भी किये लेकिन आग अधिक होने से काबू में नहीं आई और उनके पिता आग में जल गए। इधर सुबह परिजनों ने मामले की सुचना दोवडा थाना पुलिस को दी। सुचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। वही इसके बाद शव को पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जहा पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौपा। इधर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुजुर्ग महिला से पडोसी युवक ने की जबरदस्ती

विरोध करने पर युवक ने बुजुर्ग महिला के प्राइवेट पार्ट में डाला हाथ, चाक़ू से बुजुर्ग महिला की हत्या

सीतलवाड़ा। डूंगरपुर जिले के कुआ थाना क्षेत्र के बावड़ी गांव में पडोसी युवक ने एक बुजुर्ग महिला से जबरदस्ती की कोशिश की। इस दौरान बुजुर्ग महिला द्वारा विरोध करने पर युवक ने बुजुर्ग महिला के प्राइवेट पार्ट में हाथ घुसा दिया वही उसकी चाकू मारकर हत्या कर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुआं थाने के थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान ने बताया की बावड़ी निवासी ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया की उसके दादा व दादी बावड़ी गांव में अलग घर में रहते है। कल देर शाम वसुंधरा उन्हें खाना देने के लिए उनके घर गई थी। वही खाना खिलाने के बाद वह वापस अपने घर लौट रही थी। इस दौरान उसे अपने दादा के चिल्लाने की आवाज आई। जिस पर वह दौड़ते हुए अपने दादा-दादी के पास पहुंची। दादा-दादी के पास पहुंचने पर देखा की उसकी दादी लहुलुहान हालत में पड़ी हुई थी। वही उसके प्राइवेट पार्ट से सहित शरीर के अन्य हिस्सों से खून बह रहा था। दादी ने बताया की पड़ोस में रहने वाला हुरजी पिता मावजी बामणिया शराब के नशे में उनके घर में आया था और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। जब बुजुर्ग महिला ने उसका विरोध किया तो हुरजी ने चाकू से उस पर हमला कर उसे घायल कर दिया। वही उसके प्राइवेट पार्ट में हाथ भी घुसा दिया। जिसके बाद उसे ब्लीडिंग शुरू हो गई। वही घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इधर इसके बाद अपने परिजनों को बुलाया और घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन घायल बुजुर्ग महिला को चिखली अस्पताल ले गए जहा से उसे सागवाडा रेफर कर दिया। सागवाडा अस्पताल ले जाते समय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वही इसके बाद परिजन शव लेकर वापस चिखली आये और कुआ थाना पुलिस को सुचना दी। इधर सुचना पर पुलिस चिखली अस्पताल पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। वही पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। वही हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बाड़ेबंदी के बीच चालान पॉलिटिक्स

जयपुर। राज्यसभा चुनाव से पहले जिस तरह से कांग्रेस पार्टी के उसके अपने ही विधायक एक-एक कर उसके खिलाफ होते जा रहे हैं और उन्हें समझाने के लिए किए जा रहे तमाम प्रयास भी विफल होते हुए नजर आ रहे हैं। विधायकों को बाड़ेबंदी से भी बांधे रखने की कवायद जारी है। इस बीच पुलिस मुख्यालय से जारी हुआ एक फरमान राजस्थान की राजनीति में चर्चा का बड़ा विषय बना हुआ है। पुलिस मुख्यालय से विभिन्न जिला पुलिस को पत्र लिखकर लंबे समय से पेंडिंग चल रहे प्रकरणों में दोषी पाए गए सांसद, विधायक और पूर्व विधायकों के खिलाफ चालान पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से कुल 36 प्रकरणों में से केवल 3 प्रकरणों में फाइनल रिपोर्ट (एफआर) पेश करने के लिए कहा गया है, शेष 33 प्रकरणों में चालान पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा नहीं है कि पहली बार पुलिस मुख्यालय से संबंधित जिलों में सूची भेज कर जनप्रतिनिधि या पूर्व जनप्रतिनिधि के खिलाफ चालान पेश करने के लिए कहा गया हो। इससे पहले भी कई बार प्रकरणों में चालान पेश करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

वहीं अभी 2 दिन पूर्व 36 प्रकरणों की एक लंबी सूची पुलिस मुख्यालय ने विभिन्न जिला पुलिस को जारी की है जो राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का एक विषय बनी हुई है।

36 लाख घरेलू उपभोक्ताओं व 7 लाख किसानों के बिजली बिल हुए शून्यः गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से लगभग 1.25 करोड़ किसानों एवं घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में 1044 करोड़ का अनुदान देकर राहत दी गई है, जिससे लगभग 43 लाख उपभोक्ताओं के बिजली बिल शून्य हो गए हैं। प्रदेश सरकार की सक्रियता एवं बेहतर प्रबन्धन से राज्य में विद्युत आपूर्ति सुचारू हो गई है। गहलोत शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में भीषण गर्मी के कारण बढ़ी बिजली की खपत के बावजूद विद्युत आपूर्ति सामान्य रही है। अब प्रदेश में जून व जुलाई हेतु मांग के अनुरूप आपूर्ति के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को आर्थिक राहत देने के लिए चलाई गई मुख्यमंत्री किसान मित्र योजना में लगभग 12.66 लाख से अधिक किसानों को कृषि विद्युत कनेक्शनों पर 291.54 करोड़ का अनुदान दिया गया है। प्रदेश के 1.15 करोड़ से अधिक घरेलू

उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने के लिए मुख्यमंत्री घरेलू विद्युत अनुदान योजना अन्तर्गत 752.58 करोड़ का अनुदान दिया गया है।

इससे लगभग 36 लाख घरेलू उपभोक्ताओं व 7 लाख किसानों का बिजली बिल शून्य हो गया है। गहलोत ने कोयला आपूर्ति में आ रही समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार केन्द्र से वार्ता कर इसके जल्द से जल्द निस्तारण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में वर्तमान में फसलों की सिंचाई का कार्य चल रहा है। सिंचाई की आवश्यकता को देखते हुए किसानों को बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि फसलों को पर्याप्त पानी मिले और किसानों को राहत मिल सके। गहलोत ने कहा कि 2024 तक प्रदेश में 4.88 लाख किसानों को चरणबद्ध रूप से नवीन कृषि विद्युत कनेक्शन दिए जाएंगे। उन्होंने किसानों को राहत प्रदान करने के लिए प्रदेश में लंबित कृषि विद्युत कनेक्शनों को जल्द से जल्द जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में ऊर्जा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी, मुख्य सचिव ऊषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा भास्कर. ए. सावंत, आरवीपी एनएल के सीएमडी टी. रविकांत, आरवी यूएनएल के सीएमडी आर.के. शर्मा, ऊर्जा विभाग के सलाहकार ए.के. गुप्ता सहित ऊर्जा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विकास एवं पर्यावरण के बीच संतुलन रख भावी पीढ़ी को दें सुखद भविष्यः गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर प्रदेशवासियों से प्रदेश की जलवायु, वन, वन्यजीव और जैव विविधता के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। गहलोत ने अपने संदेश में कहा कि विकास एवं पर्यावरण के बीच संतुलन बनाकर, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन सीमित कर एवं अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही आने वाली पीढ़ियों को सुखद एवं सुरक्षित भविष्य दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां हरियाली होगी वहीं अच्छी वर्षा होगी, अच्छी फसल होगी, अच्छा उत्पादन होगा और खुशहाली आएगी। वृक्षारोपण को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य बनाकर ही हम पर्यावरण रूपी इस अमूल्य धरोहर को बचाकर रख सकते हैं।